थारे खातिर जीव होम दु रण भारत माहि लक्ष्मण बैठो होजा भाई

थारे खातिर जीव होम दु,
रण भारत माहि,
लक्ष्मण बैठो होजा भाई।bd।

लक्ष्मण बाण लागो रणभारत रे माही,
राम चंद्र रोबा लागा,
आखया खोले नाही,
लक्ष्मण बैठो होजा भाई।bd।

गड लंका सू वेद बुलाया,
नाडी दिकावा लाई,
या बुटी हीमाले मे मलशी,
लेवा कुण झाई,
लक्ष्मण बैठो होजा भाई।bd।

बलवत जोदो अजनी को लालो,
बुटी लवा जाई,
वन वन मे फिरे ऊदासी,
पर्वत लीदो ऊटा,
लक्ष्मण बैठो होजा भाई।bd।

वणी बुटी री कतुरी बणाई,
लशमण अग चलाई,
आलश मार ऊटा लशमण जी,
रामचन्द्र कत गाई,
लक्ष्मण बैठो होजा भाई।bd।

थारे खातिर जीव होम दु,
रण भारत माहि,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लक्ष्मण बैठो होजा भाई।bd।

गायक – भगवान रबारी।
बासवाड़ा, गाव सरेडी छोटी।
मोबाइल 7424930404

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com